

## महिला स्वालम्बन एवं कैंसर जागरूकता एवं जाँच कार्यक्रम

राजस्थान पुलिस अकादमी स्थित महिला कल्याण केन्द्र महिलाओं के कल्याण से जुड़े अनेक कार्यक्रम करवाता है। महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने से लेकर उनके विकास एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम भी इस केन्द्र द्वारा संचालित किये जाते हैं। राजस्थान पुलिस अकादमी में दिनांक 15.10.2016 को फिक्की फ्लो, जयपुर एवं भगवान महावीर कैंसर एवं रिसर्च अस्पताल, जयपुर के सौजन्य से महिलाओं के स्वावलम्बन एवं स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 100 से अधिक पुलिसकर्मियों के परिवार की महिलाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में महिला कल्याण केन्द्र की अध्यक्ष श्रीमती अनु भट्ट, मुख्य अतिथि के रूप में पधारी। उनके अतिरिक्त कार्यक्रम में श्रीमती कमल सम्पतराम, श्रीमती रचना गर्ग, महिला कल्याण केन्द्र की उपाध्यक्ष श्रीमती लविना दासोत के अतिरिक्त फिक्की फ्लो की उपाध्यक्ष, श्रीमती निताशा चोरडिया एवं श्रीमती वन्दना परनामी तथा महावीर कैंसर एवं रिसर्च अस्पताल के डॉ. ललित कुमार शर्मा एवं श्रीमती सुधा पठानिया उपस्थित थे।



कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों का स्वागत करते हुए राजीव दासोत, अतिरिक्त महानिदेशक एवं निदेशक, अकादमी ने बताया कि अकादमी स्थित आवासीय परिसर में लगभग 1800 परिवार निवास करते हैं, जिनमें महिलाओं के कल्याण हेतु 45 वर्ष से अधिक की महिलाओं के सर्वाइकल एवं ब्रेस्ट कैंसर के बारे में जागरूकता एवं जाँच हेतु भगवान महावीर कैंसर एवं रिसर्च अस्पताल के सौजन्य से कार्यक्रम रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रायः महिलायें या तो जाँच करवाने में संकोच करती हैं या जानकारी के अभाव में जाँच नहीं करवाती हैं। इस कारण कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का देर से पता चलता है, जिससे उपचार में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अकादमी द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों यथा क्रेच का रिनोवेशन, एकलव्य अध्ययन केन्द्र की स्थापना, 06 दिवसीय मेडिकल कैम्प आयोजित करवाने, मुक्ताशी रंगमंच का नवीनीकरण एवं वृक्षारोपण जैसे कई कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर डॉ० ललित मोहन शर्मा ने महिलाओं में होने वाले कैंसर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक 7 मिनट में एक महिला को भारत में सर्वाइकल कैंसर होता है तथा प्रत्येक आठ में से एक महिला को कैंसर होने के खतरा है। उन्होंने बताया कि 45 वर्ष के पश्चात् कैंसर की जाँच अवश्य करवानी चाहिए। उन्होंने स्तन कैंसर के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि मेमोग्राफिक जाँच के द्वारा प्रारम्भिक अवस्था में कैंसर का पता चलने पर इलाज आसानी से किया जा सकता है। जाँच में विलम्ब या अग्रिम स्थिति में कैंसर का पता चलने पर इलाज मंहगा व मुश्किल हो जाता है। सर्वाइकल कैंसर के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि भारत में होने वाले समस्त प्रकार के कैंसर रोगों में 30 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर ही होते हैं। इस कैंसर के लिए बाजार में टीका भी उपलब्ध है। उन्होंने महिलाओं से अपने

घरों में तम्बाकू छुड़वाने की शपथ दिलवाने का आग्रह भी किया तथा बहनों से रक्षा बन्धन पर राखी बाँधते समय भाईयों से तम्बाकू छोड़ने की शपथ अवश्य लेनी चाहिए।



फिक्की फलो की उपाध्यक्षा श्रीमती निताशा चोरडिया ने फिक्की फलो द्वारा महिला कल्याण के लिए चलाये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि उनकी संस्था द्वारा महिलाओं को ब्यूटिशियन, ड्राईविंग एवं स्टीचिंग के कोर्स करवाकर उन्हें आत्म निर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के पश्चात् महिलाओं को उचित रोजगार प्रदान करने में भी फिक्की फलो द्वारा पूर्ण प्रयास किया जाता है।



कार्यक्रम के अन्त में श्रीमती अनु भट्ट ने महिलाओं से जुड़े कार्यक्रमों की अधिकतम लोगों को जानकारी देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के कल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अकादमी तथा महिला कल्याण केन्द्र के साझे प्रयास से किये जा रहे कार्यों के लिए अकादमी निदेशक को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अकादमी के आवासीय परिसर की 25 महिलाओं को कैसर की जाँच हेतु भगवान महावीर कैसर अस्पताल भी भिजवाया गया।